एनी ओकली

लेखक : जिंजर वड्सवर्थ

हिंदी : योगेश



एनी ओकली

लेखक : जिंजर वड्सवर्थ
हिंदी : योगेश

अनुक्रमणिका



परिचय

एनी ओक्ली का बचपन ओहायो के एक खेत में एक गरीब लेकिन प्यार करने वाले परिवार में बीता। उन्होंने शिकार करना अपने पिता से सीखा। जब वह केवल आठ साल की थीं, तब अपने भूखे परिवार के लिए भोजन जुटाने के लिए उन्होंने पहली बार राइफल चलाई।

1800 के दशक के अंतिम वर्षों में एनी ने दर्शकों के सामने निशानेबाजी करना शुरू किया। आने वाले वर्षों में उन्होंने दुनिया भर में कई कार्यक्रमों में प्रदर्शन किया। उन्होंने रानी, राजकुमारों और आम लोगों के सामने भी अपनी शानदार निशानेबाजी का प्रदर्शन किया।

आज भी एनी ओक्ली को अमेरिका की सबसे महान महिला निशानेबाजों में से एक माना जाता है। लेकिन वह केवल एक प्रसिद्ध कलाकार ही नहीं थीं। एनी लोगों को बंदूक चलाते समय सुरक्षा के नियमों के बारे में भी सिखाती थीं। वह अनाथालयों में रहने वाले बच्चों को अपनी कमाई का पैसा भी दे देती थीं।

यह उनकी ही कहानी है।



१. कठिन जीवन

फीबी ऐन मोसेस का जन्म 13 अगस्त 1860 को पश्चिमी ओहायो में हुआ था।

उनके परिवार वाले उन्हें एनी कहकर बुलाते थे। एनी अपने माता-पिता, बहनों और भाई के साथ एक छोटी-सी झोपड़ी में रहती थीं। उनकी माँ और पिता, सुसान और जैकब मोसेस, किसान थे।

परिवार की झोपड़ी चारों ओर से मक्का के खेतों से घिरी हुई थी। खेतों के किनारे एक घना जंगल था। मोसेस परिवार को पास के किसी शहर तक पहुँचने के लिए पूरा एक दिन यात्रा करनी पड़ती थी।

जब एनी छोटी थीं, तब संयुक्त राज्य अमेरिका में गृहयुद्ध चल रहा था। देश का उत्तरी हिस्सा दक्षिणी हिस्से के खिलाफ युद्ध लड़ रहा था। एनी के माता-पिता क्वेकर (Quakers) थे। यह एक धार्मिक समुदाय है, जो युद्ध में विश्वास नहीं करता। जैकब मोसेस के पास बंदूक थी, लेकिन वे उसका इस्तेमाल केवल भोजन के लिए शिकार करने, और अपने परिवार की रक्षा करने के लिए करते थे।



उन्नीसवीं सदी की शुरुआत में एनी के परिवार जैसे बहुत-से परिवार लकड़ी से बने घरों में रहते थे।

बड़ी होते-होते एनी का स्वभाव कुछ लड़कों जैसा हो गया था। उन्हें अपनी बहनों के साथ घर के अंदर बैठकर गुड़ियों से खेलना पसंद नहीं था। इसके बजाय, एनी अपने पिता के साथ खेत के काम में हाथ बँटाती थीं। वह उनके साथ शिकार पर भी जाती थीं। इस दौरान उन्होंने जंगल में रहने वाले जानवरों और वहाँ उगने वाले पेड़-पौधों के बारे में सीखा।

जब एनी पाँच साल की थीं, तब उनके पिता जैकब मोसेस की मृत्यु हो गई। इसके बाद उनकी बहन मैरी जेन की भी मृत्यु हो गई। परिवार के लिए यह बहुत दुख भरा समय था। उन्हें एक छोटे से किराए के खेत में जाकर रहना पड़ा।

बच्चे जानवरों को चारा देते, कपड़े धोते और बगीचे में उगी बेकार घास निकालते थे। वे ओहायो की लंबी और ठंडी सर्दियों के लिए भोजन जमा करने में भी मदद करते थे। किसी को स्कूल जाने या खेलने का समय नहीं मिलता था।



जब एनी बच्ची थीं, तब बहुत-से परिवार खाना पकाने और अपने घरों को गर्म रखने के लिए लकड़ी जलाते थे। इसके लिए बच्चों को भी लकड़ियाँ इकट्ठी करने में मदद करनी पड़ती थी।

श्रीमती मोसेस के पास अपने बच्चों को खिलाने के लिए पर्याप्त भोजन भी नहीं था। इसलिए उन्हें कुछ समय के लिए अपने बच्चों को अलग-अलग जगहों पर भेजना पड़ा।

एनी के भाई और बहन पास के एक खेत में रहने चले गए। एनी अपने परिवार के कुछ परिचितों के साथ रहने लगीं, जो गरीब लोगों के लिए एक आश्रय-गृह चलाते थे। इसका नाम डार्क काउंटी इन्फर्मरी (Darke County Infirmary) था।

वहाँ एनी को सोने के लिए एक बिस्तर और भरपेट भोजन मिलता था। उन्होंने वहाँ ऊन से बुनाई करना और कपड़ों की मरम्मत करना भी सीखा।

डार्क काउंटी इन्फर्मरी



भेड़िए जैसे लोग

जब एनी लगभग दस साल की थीं, तब एक परिवार ने उन्हें बच्चों की देखभाल में उनकी माँ की मदद करने के लिए काम पर रखा। वह उनके साथ उनके खेत पर रहने चली गईं। उस परिवार ने एनी से कहा था कि वह शिकार कर सकती हैं और स्कूल भी जा सकती हैं। यह सुनकर तो सब कुछ बहुत अच्छा लग रहा था!

लेकिन उस परिवार ने एनी से झूठ बोला था। उन्होंने एनी से सुबह चार बजे ही घर के काम शुरू करवा दिए। अगर वह काम पूरा नहीं कर पातीं, तो वे उन्हें मारते-पीटते थे। एनी ने उस परिवार को **"भेड़िया"** कहना शुरू कर दिया, क्योंकि वे बहुत क्रूर थे।

आखिरकार, एनी उस खेत से भाग गईं। वह वापस उसी गरीबों के आश्रय-गृह में रहने चली गईं।

एनी गरीबों के उस आश्रय-गृह में बहुत मेहनत करती थीं। वहीं उन्होंने पढ़ना-लिखना सीखना भी शुरू किया। लेकिन उन्हें अपने परिवार की बहुत याद आती थी।

जब एनी लगभग पंद्रह साल की हुईं, तो वह वापस अपने घर आ गईं। उन्होंने अपने पिता की बंदूक से परिवार के लिए भोजन जुटाने के लिए शिकार करना शुरू किया। उनका निशाना लगभग कभी नहीं चूकता था। एनी यह सुनिश्चित करती थीं कि उनके परिवार के पास खाने के लिए पर्याप्त से भी अधिक मांस हो।

एनी लगभग हर दिन शिकार करती थीं। वह बटेर और खरगोशों से टोकरियाँ भर देती थीं, जिनकी उनके परिवार को जरूरत नहीं होती थी। एक स्थानीय दुकानदार एनी से बचा हुआ शिकार खरीद लेता था। इनमें से कुछ मांस बड़े शहरों, जैसे सिनसिनाटी, के होटलों के रेस्तराँ में पहुँच जाता था।

एनी ने एक शिकारी के रूप में अपने काम से काफी पैसा कमाया। उन्होंने अपनी माँ के सारे खर्चे और बिल चुकाकर उन्हें बहुत खुश और हैरान कर दिया।



एनी के शिकार करने के हुनर से उनके परिवार का पेट भरता था और घर के खर्चे पूरे करने में भी मदद मिलती थी।

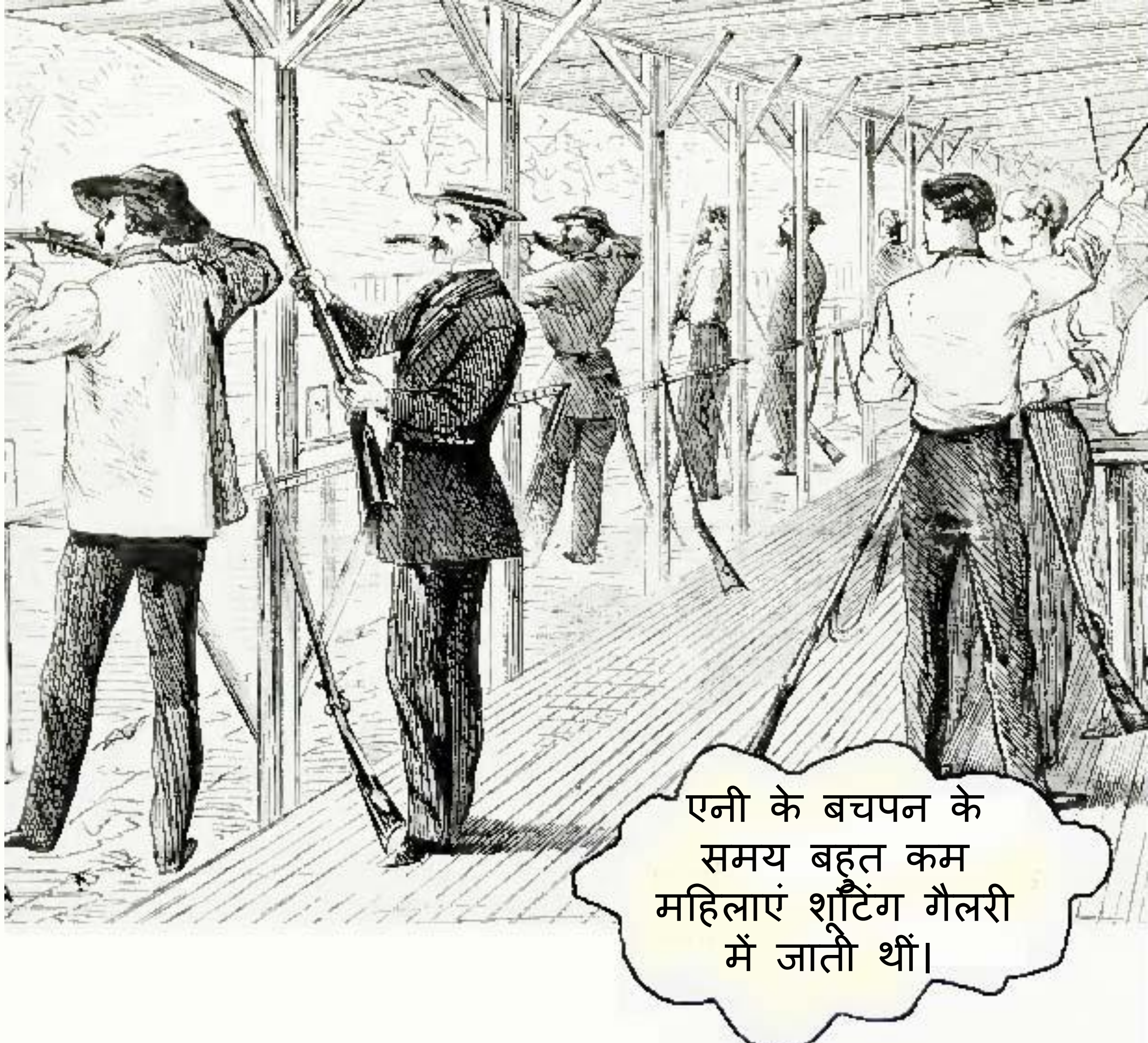
1875 में एनी सिनसिनाटी गईं। वह अपनी एक विवाहित बहन के घर ठहरीं। यह पहली बार था जब एनी किसी शहर में गई थीं। उन्होंने एक ही जगह पर इतने सारे भवन, जानवर और लोगों को पहले कभी नहीं देखा था।

भाप से चलने वाली नावें ओहायो नदी में ऊपर-नीचे आती-जाती थीं। दूसरी ओर, नए इलाकों में बसने वाले लोग ढकी हुई गाड़ियों में पश्चिम की ओर जा रहे थे।

शहर के कुछ पुरुष बंदूक चलाने वाले क्लबों के सदस्य थे। वे निशानेबाजी का अभ्यास करते और आपस में प्रतियोगिताएँ करते थे। महिलाओं को इन क्लबों में शामिल होने की अनुमति नहीं थी। लेकिन वे निशानेबाजी के अभ्यास के लिए बनाए गए स्थानों, जिन्हें शूटिंग गैलरी कहा जाता था, वहाँ जा सकती थीं।



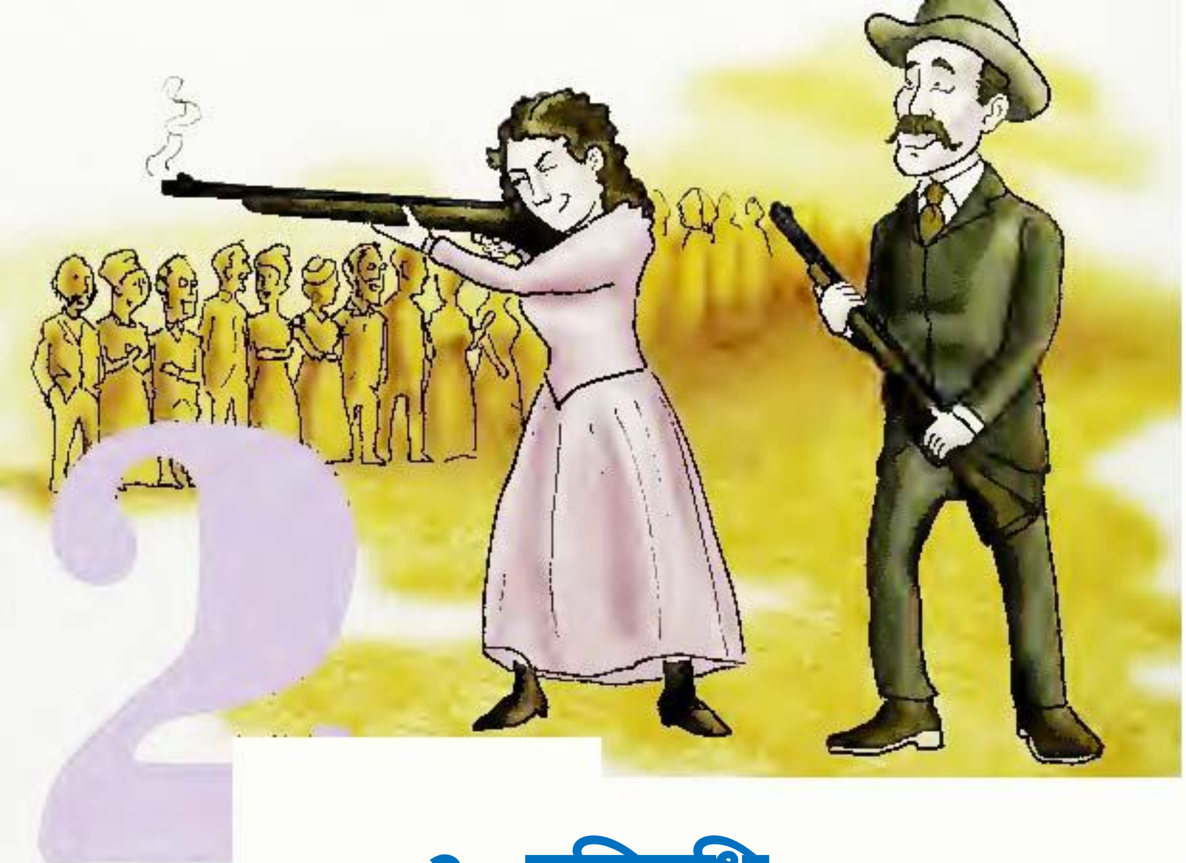
१८७० के दशक में सिनसिनाटी, ओहायो



शूटिंग गैलरियाँ बहुत शोर-शराबे वाली जगहें होती थीं, जहाँ बहुत-सी टिमटिमाती रोशनियाँ होती थीं। वहाँ खरगोश या निशाने के बीच वाले गोल हिस्से के आकार के धातु के चलते-फिरते निशाने लगे होते थे।

एनी ने वहाँ के शोर और हलचल पर ध्यान नहीं दिया और अपनी बंदूक उठा ली। उन्होंने आसानी से सभी निशानों पर सटीक निशाना लगाया!

एनी की निशानेबाजी की खबर तेजी से फैलने लगी। सिनसिनाटी में उन्हें एक निशानेबाजी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए बुलाया गया। लेकिन प्रतियोगिता जीतने के लिए उन्हें एक पुरुष निशानेबाज को हराना था।



२. प्रसिद्धि

एनी की निशानेबाजी की प्रतियोगिता एक प्रसिद्ध निशानेबाज फ्रैंक बटलर के साथ हुई। फ्रैंक ने पहले गोली चलाई और निशाने के बिल्कुल बीच में गोली लगी।

फिर एनी की बारी आई। उनके घुटने डर के कारण काँप रहे थे, लेकिन फिर भी उन्होंने निशाने पर सटीक गोली मारी। फ्रैंक और एनी लगातार निशाना लगाते रहे।

आखिरकार, पच्चीसवीं गोली पर फ्रैंक का निशाना चूक गया। एनी का एक भी निशाना नहीं चूका। उन्होंने पचास डॉलर का इनाम जीता। इससे भी बड़ी बात यह थी कि उन्होंने फ्रैंक का दिल जीत लिया।

फ्रैंक और एनी

फ्रैंक बटलर और एनी की मुलाकात के कुछ ही समय बाद दोनों एक-दूसरे को पसंद करने लगे और मिलने-जुलने लगे। फ्रैंक का फ्रेंच पूडल कुत्ता, जॉर्ज, दोनों के बीच संदेश पहुँचाता था। एक बार तो जॉर्ज एनी के लिए मिठाई का एक डिब्बा भी लेकर आया!

शुरुआत में एनी की माँ को फ्रैंक पसंद नहीं थे। फ्रैंक क्वेकर नहीं थे। उनका पहले तलाक हो चुका था और उनके बच्चे भी थे। इसके अलावा, वह एनी से दस साल बड़े थे।

लेकिन बाद में श्रीमती मोसेस ने देखा कि फ्रैंक उनकी बेटी के साथ कितने प्यार और सम्मान से पेश आते हैं। धीरे-धीरे उनके मन में फ्रैंक के लिए सम्मान पैदा हो गया।



कुछ ही समय बाद फ्रैंक और एनी ने शादी कर ली। परिवार में फ्रैंक पहले से ही एक प्रसिद्ध निशानेबाज थे। वह अपने निशानेबाजी के साथी जॉन ग्राहम के साथ एक शहर से दूसरे शहर जाते थे और विभिन्न कार्यक्रमों में प्रदर्शन करते थे।

इन कार्यक्रमों में अक्सर गायक, जानवरों के करतब दिखाने वाले कलाकार, नर्तक, संगीतकार, हास्य कलाकार और कलाबाज भी शामिल होते थे।

1882 में एक दिन मंच पर जाने से ठीक पहले जॉन बीमार पड़ गए। तो एनी उनकी जगह कार्यक्रम में शामिल हो गईं। उन्होंने सफेद कॉलर वाली पोशाक पहन रखी थी और उनके घने बाल खुले हुए थे।

बड़ी बंदूक वाली इस सुंदर छोटी-सी महिला ने दर्शकों को हैरान कर दिया। एनी और फ्रैंक बारी-बारी से निशाना लगाते रहे और एनी का एक भी निशाना नहीं चूका। दर्शक खुशी से तालियाँ बजाने और जयकार करने लगे!

उन्हें विश्वास ही नहीं हो रहा था कि कोई महिला इतनी अच्छी निशानेबाजी कर सकती है।



एनी की निशानेबाजी की प्रतिभा ने लोगों को हैरान कर दिया। उनकी पहनावे की शैली पारंपरिक थी, लेकिन बंदूक चलाने का उनका हुनर बिल्कुल असाधारण था।

उस दिन एनी, फ्रैंक की नई साथी बन गईं। उन्होंने अपने लिए मंच का नाम एनी ओक्ली चुना। एनी और फ्रैंक की जोड़ी ने अमेरिका के पूरे मध्य-पश्चिम क्षेत्र में घूम-घूमकर प्रदर्शन किया।

एनी अपने सभी मंच के कपड़े खुद डिजाइन करती थीं और खुद ही सिलती थीं। वह हमेशा पश्चिमी शैली के कपड़े, एक टोपी और जूते पहनती थीं। वह पैंट पहनने से मना करती थीं, क्योंकि उन्हें लगता था कि पैंट पहनना महिलाओं के लिए उचित नहीं था।

एनी अपने कार्यक्रमों में हमेशा कुछ ऐसी **पोशाकें** पहनती थीं।



एनी कार्यक्रमों के बीच खूब अभ्यास करती थीं। वह अपनी बंदूक कभी बाएँ हाथ में, कभी दाएँ हाथ में और यहाँ तक कि उल्टी पकड़कर भी निशाना लगाती थीं। वह बार-बार बंदूक चलाने का अभ्यास करती थीं। एनी और फ्रैंक चाहते थे कि वे देश की सबसे बेहतरीन निशानेबाजी की जोड़ी बनें।

जल्द ही एनी हवा में उछाले गए ताश के पत्ते को बीच से दो टुकड़ों में गोली मार सकती थीं। वह अपनी बंदूक की गोली से जलती हुई मोमबत्ती की लौ भी बुझा देती थीं।



एनी हवा में उछाली गई काँच की गेंदों पर निशाना लगाने का अभ्यास कर रही हैं। कार्यक्रम में मौजूद एक मूल अमेरिकी व्यक्ति उन्हें देख रहा है।

एनी स्वाभाविक रूप से बहुत फुर्तीली और कुशल थीं। वह एक मेज के ऊपर से छलाँग लगातीं, हवा में काँच की कुछ गेंदें उछालतीं और फिर अपनी राइफल उठा लेतीं। इसके बाद वह हवा में ही उन काँच की गेंदों पर निशाना लगाकर उन्हें गोली से तोड़ देती थीं।

कभी-कभी एनी का निशाना चूक भी जाता था। तब वह दुखी होने का नाटक करतीं और धूल में अपने जूतों को जोर-जोर से पटकतीं। लेकिन इससे दर्शक और भी जोर से तालियाँ बजाते और खुशी से चिल्लाते। वह कार्यक्रम की सबसे बड़ी स्टार बन चुकी थीं।

1884 में एनी और फ्रैंक सैल्स ब्रदर्स सर्कस में शामिल हो गए। उस साल उन्होंने लगभग दो सौ शहरों का दौरा किया। रात में फ्रैंक एनी को पढ़ने और लिखने में मदद करते थे।

एनी अपने परिवार को पत्र लिखती थीं और उन्हें उपहार और पैसे भेजती थीं। उन्हें अपनी कमाई पर बहुत गर्व था। वह कहा करती थीं, “दस साल की उम्र के बाद, मेरी जेब में कभी भी ऐसा एक भी पैसा नहीं रहा, जिसे मैंने खुद न कमाया हो।”



३. छोटी निशानेबाज़

एनी के एक प्रदर्शन के बाद, लकोटा समुदाय के एक नेता सिटिंग बुल ने कार्यक्रम की इस स्टार से मिलने की इच्छा जताई। उन्होंने एनी से कहा कि वह उन्हें अपनी उस बेटी की याद दिलाती हैं, जिसकी मृत्यु हो चुकी थी।

सिटिंग बुल ने कहा कि वह एनी को अपनी बेटी के रूप में गोद लेना चाहते हैं। उन्होंने एनी को "वातन्या सेसिला" नाम दिया, जिसका अर्थ है "छोटी निशानेबाज़"। सिटिंग बुल ने एनी को अपनी बेटी की मोकासिन (एक प्रकार के पारंपरिक जूते) की एक जोड़ी भी दी। सिटिंग बुल और एनी बहुत अच्छे दोस्त बन गए।



एनी मार्च 1884 में सेंट पॉल, मिनेसोटा में अपने निशानेबाजी के प्रदर्शन के दौरान सिटिंग बुल से मिली थीं।

फ्रैंक ने एक अखबार के विज्ञापन में सिटिंग बुल के साथ एनी की दोस्ती के बारे में लिखा। वह चाहते थे कि लोग "छोटी निशानेबाज़" के बारे में जानें। एनी इससे पहले कभी भी कैंसास से आगे पश्चिम की ओर नहीं गई थीं, लेकिन उस विज्ञापन से लोगों को लगा कि वह वाइल्ड वेस्ट से आई थीं।

1885 में एनी और फ्रैंक बफेलो बिल के वाइल्ड वेस्ट शो नामक कार्यक्रम में शामिल हो गए। इस शो में कलाकार भैंस के शिकार और डाकुओं द्वारा स्टेजकोच (घोड़ागाड़ी) लूटने जैसे दृश्यों का अभिनय करते थे। इसमें निशानेबाज़ी की प्रतियोगिताएँ भी होती थीं और काउबॉय रस्सियाँ घुमाकर करतब दिखाते थे। बंदूकों की आवाज़ और घोड़ों के खुरों की गड़गड़ाहट शो के रोमांच को और बढ़ा देती थी।

बफेलो बिल के वाइल्ड वेस्ट शो में कलाकार भैंस के शिकार का अभिनय कर रहे हैं। उनकी बंदूकों से आवाज़ तो निकलती थी, लेकिन उनमें गोलियाँ नहीं होती थीं।



वाइल्ड वेस्ट शो

बफेलो बिल के वाइल्ड वेस्ट शो को अपने जानवरों, कलाकारों और सामान को ले जाने के लिए **पचास रेल डिब्बों** की जरूरत पड़ती थी। ट्रेन रात में अगले शो के स्थान तक जाती थी। हर सुबह जानवरों की देखभाल करने वाले लोग हिरण, भैंस, घोड़ों और बैलों को ट्रेन से बाहर निकालकर पटरियों के पास चरने के लिए ले जाते थे।

बफेलो बिल का शो एक छोटे-से शहर जैसा था। वहाँ मरम्मत की दुकान, नाई की दुकान, कपड़े रखने के लिए एक बड़ा तंबू और कपड़े धोने की जगह भी थी। पूरे शो को तैयार करने में बहुत समय लगता था। यहाँ तक कि एनी अपने प्रदर्शन के दौरान जिन काँच की गेंदों को गोली मारकर तोड़ती थीं, वे भी वहीं बनाई जाती थीं।

बफेलो बिल के वाइल्ड वेस्ट शो के प्रमुख खुद को बफेलो बिल कोडी कहते थे। उनकी आँखें काली थीं, बाल लंबे थे और वह एक बड़ी टोपी पहनते थे। हर शो शुरू करने के लिए वह अपने बड़े भूरे घोड़े पर सवार होकर तेज़ी से मैदान में आते थे। इसके बाद एक बैंड "द स्टार-स्पैंगल्ड बैनर" बजाता था।

अगले तीन घंटों तक परिवार अमेरिका के इतिहास के सबसे शानदार खुले मैदान में होने वाले शो का आनंद लेते थे।

जब एनी की बारी आती, तो वह हमेशा उत्साह से मंच पर आ जाती थीं। वह झुककर अभिवादन करतीं, हाथ हिलातीं और दर्शकों को देखकर प्यार से चुंबन उछालतीं। एनी एक बेहतरीन निशानेबाज़ होने के साथ-साथ एक अच्छी अभिनेत्री भी थीं। उन्हें अपनी निशानेबाजी की कला से दर्शकों का मनोरंजन करना बहुत पसंद था।

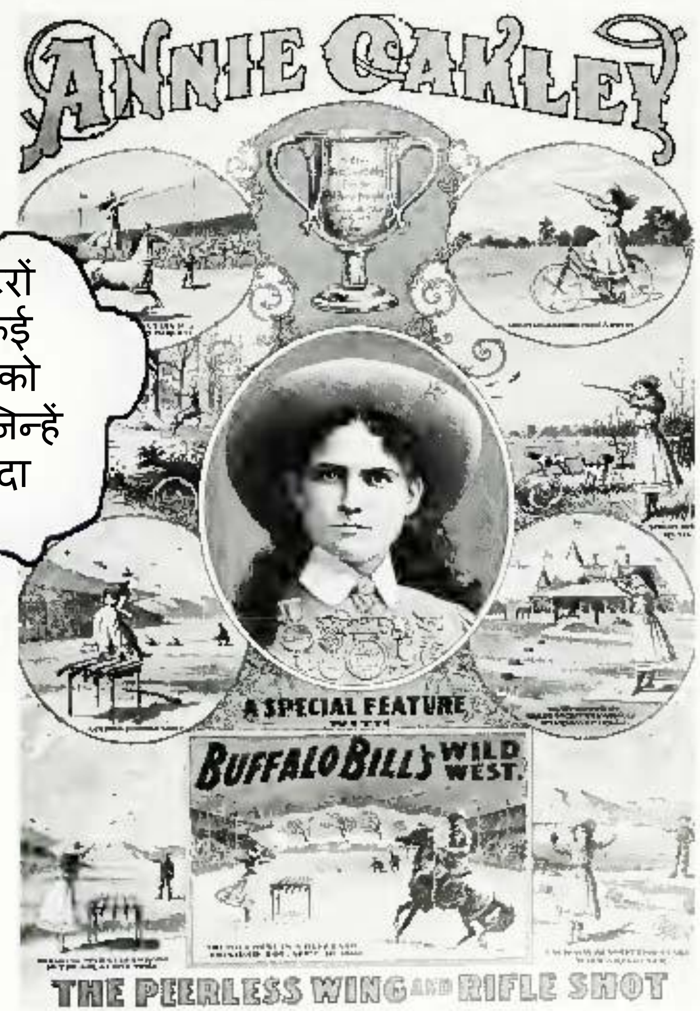
उनका सबसे प्रसिद्ध करतब एक हाथ में पकड़े जाने वाले आईने से शुरू होता था। एनी आईने में अपना निशाना देखतीं, फिर बिना पीछे मुड़े बंदूक को अपने कंधे के ऊपर से पीछे की ओर साधतीं और गोली चला देतीं। इसके बाद वह छोटी-सी छलाँग लगाकर खुशी जतातीं और फिर मैदान से बाहर भाग जातीं।



एनी अपने सबसे प्रसिद्ध निशानेबाजी के करतब में बंदूक और आईने का इस्तेमाल करने का तरीका दिखाते हुए तस्वीर खिंचवा रही हैं।

बाद वर्षों, एनी ने अपने कार्यक्रम में घुड़सवारी के करतब भी शामिल कर लिए। वह दर्शकों के सामने पूरी रफ्तार से घोड़ा दौड़ातीं और फिर घोड़े के खुर के नीचे से एक रूमाल उठा लेतीं।

बहुत अभ्यास करने के बाद उन्होंने दौड़ते हुए घोड़े की पीठ पर खड़े होना भी सीख लिया। इन करतबों की वजह से और भी अधिक लोग एनी को एक पश्चिमी शैली की काउगर्ल के रूप में देखने लगे।



कार्यक्रम के पोस्टरों में एनी के उन कई रोमांचक करतबों को दिखाया गया था, जिन्हें दर्शक सबसे ज्यादा पसंद करते थे।

समय के साथ फ्रैंक ने अपनी बंदूकें और लंबे जूते रख दिए। अब वह एनी के करियर को सँभालने में अपना समय बिताते थे। लेकिन एनी और फ्रैंक के रिश्ते में कोई बदलाव नहीं आया। फ्रैंक कभी-कभी एनी के लिए कविताएँ भी लिखते थे। वह उन्हें "अपनी प्यारी छोटी लड़की" कहते थे, जिसकी आँखों में "बारिश की बूँदें" थीं।

एनी ने 1886 के कार्यक्रमों की शुरुआत न्यूयॉर्क के स्टेटन आइलैंड में लंबे समय तक रहकर की। सभी लोग बफेलो बिल के वाइल्ड वेस्ट शो और "छोटी निशानेबाज़" एनी को बहुत पसंद करते थे।

बफेलो बिल ने अपने शो को न्यूयॉर्क शहर के बीचों-बीच स्थित मैडिसन स्क्वायर गार्डन में अंदर आयोजित करने का फैसला किया। एनी को देखने के लिए लोगों की लंबी कतारें लगती थीं और भीड़ घंटों इंतज़ार करती थी।



विलियम एफ. कोडी ने अपने वाइल्ड वेस्ट शो के लिए "बफेलो बिल" नाम का इस्तेमाल किया था।

अगले वर्ष, वाइल्ड वेस्ट शो जहाज़ से ग्रेट ब्रिटेन के लिए रवाना हुआ। यह शो ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया के सिंहासन पर बैठने के पचास वर्ष पूरे होने के समारोह में मदद करने के लिए वहाँ गया था। छह महीने तक वाइल्ड वेस्ट शो के कलाकार लंदन शहर के पास लगे तंबुओं में रहे।



1887 में एनी को जन्मदिन के उपहार के रूप में सर राल्फ नाम का एक सेंट बर्नार्ड पिल्ला मिला। इस तस्वीर के लिए एनी और सर राल्फ ने एक ब्रिटिश फोटो स्टूडियो में तस्वीर खिंचवाई।

एनी ओक्ली ग्रेट ब्रिटेन में बहुत लोकप्रिय हो गई थीं। हर दिन चालीस से पचास हजार लोग उनके कार्यक्रम देखने आते थे। इनमें ग्रेट ब्रिटेन और यूरोप के दूसरे देशों के राजघरानों के लोग भी शामिल होते थे।

जब शो का संचालक जोर से घोषणा करता, "देवियो और सज्जनो, पश्चिमी मैदानों की छोटी-सी लड़की, मिस एनी ओक्ली!", तब एनी मंच पर आती थीं।



४. रंगमंच की तारिका

ब्रिटिश लोगों ने अखबारों में और "राइफल क्वीन" नाम की एक लोकप्रिय पुस्तिका में "छोटी निशानेबाज़" एनी के बारे में पढ़ा। यह पुस्तिका दो पेंस में बिकती थी।

इसके लेखक ने लिखा कि एनी ने भेड़ियों और बड़े ग्रिजली भालुओं का सामना किया, एक भयंकर बर्फीले तूफ़ान को मात दी और एक बुरे आदमी को भी हरा दिया।



ब्रिटिश प्रशंसकों को अमेरिका के सीमावर्ती इलाकों में एनी के जीवन के बारे में सुनाई गई **मनगढ़ंत कहानियाँ** बहुत पसंद थीं। एनी के बारे में इन कहानियों से भले ही सच्चाई अलग थी, फिर भी उन्होंने उसी भूमिका के अनुसार अपना पहनावा जारी रखा।

एनी ने लोगों को समझाने की कोशिश की कि उनके बारे में सुनाई जाने वाली ये कहानियाँ सच नहीं थीं, लेकिन किसी ने उनकी बात नहीं सुनी। प्रशंसक एनी को काउबॉय, जंगली घोड़ों और अमेरिका के कठिन सीमावर्ती जीवन से जोड़ना चाहते थे।

यूरोप में एनी धीरे-धीरे एक सुपरस्टार बनती जा रही थीं।

बफेलो बिल का वाइल्ड वेस्ट शो 1889 में फिर से यूरोप के दौरे पर गया। इस बार एनी ने फ्रांस, इटली और स्पेन में प्रदर्शन किया। शो 1892 में संयुक्त राज्य अमेरिका लौट आया।

कलाकारों ने यात्रा जारी रखी और सैकड़ों शहरों में प्रदर्शन किया। जहाँ भी एनी प्रदर्शन करतीं, वह बच्चों—विशेष रूप से अनाथ बच्चों—को मुफ्त टिकट देती थीं। वह बच्चों को सामने बैठातीं और यह सुनिश्चित करतीं कि उनके पास पर्याप्त पॉपकॉर्न, आइसक्रीम और ठंडे पेय हों।



1890 में रोम, इटली में ली गई इस तस्वीर में बफेलो बिल को बाईं ओर (घेरे में) और एनी को दाईं ओर (घेरे में) दिखाया गया है।

हथियार

अपने वाइल्ड वेस्ट शो में एनी 12-गेज, डबल-बैरेल वाली बंदूकों का इस्तेमाल करती थीं। इन बंदूकों का वजन लगभग छह पाउंड था। बन्दूक से छर्रे निकलते हैं, जो बहुत दूर तक नहीं जाते। यह महत्वपूर्ण था क्योंकि एनी के शो देखने के लिए बहुत सारे लोग आते थे। एनी नहीं चाहती थीं कि किसी को चोट लगे।

हजारों लोग एनी का प्रदर्शन देखने आते थे। वह संयुक्त राज्य अमेरिका की सबसे प्रसिद्ध महिलाओं में से एक थीं। एनी को अपना काम पसंद था। लेकिन उन्होंने कहा कि वह उस दिन का इंतजार करती थीं "जब राइफल और बंदूक के साथ मेरा काम खत्म हो जाएगा और मैं मैदानों और नदी-नालों की ओर जा सकूँगी।"



एनी और उनका कुत्ता शिकार करने जाते हैं।



जब एनी और फ्रैंक घूम-घूमकर शो करते थे, तब वे एक तंबू में रहते थे। एनी तंबू को बहुत ध्यान से घर जैसा बनाए रखती थीं।

जब वे यात्रा करती थीं, एनी और फ्रैंक अक्सर एक तंबू में रहते थे। एनी तंबू में पर्दे लगातीं और परिवार की तस्वीरें सजाकर रखतीं। वह तंबू में रेशमी तकिए, भैंस के सींग और दूसरी कीमती चीज़ें भी रखती थीं। फर्श पर जानवरों की खालें बिछी होती थीं। चारों ओर बंदूकें रखी रहती थीं। अक्सर प्रशंसक उनके लिए फूलों के गुलदस्ते भी भेजते थे।

मिलने आये मेहमानों का स्वागत वे चाय और केक से करते थे। तंबू आरामदायक था, लेकिन एनी का सपना था कि उनका अपना एक असली घर हो।

एनी और फ्रैंक ने 1893 में न्यू जर्सी में अपना पहला घर बनाया। उन्होंने योजना बनाई कि वे साल के कुछ महीने वहाँ रहेंगे। तीन मंज़िल वाले इस घर के पीछे के आँगन में घोड़ों के लिए एक अस्तबल था। एनी ने अच्छे और सुंदर बर्तन खरीदे। उन्होंने खाना बनाने के लिए एक रसोइया और सफाई के लिए एक महिला को भी काम पर रखा। एक कमरा भूसा-भरे जानवरों और उनकी खालों से भरा हुआ था। एनी अक्सर दोस्तों और परिवार के लोगों को मिलने के लिए बुलाती थीं।

एनी चिट्ठियाँ लिखती थीं, सैर के लिए जाती थीं, घोड़े पर सवारी करती थीं और निशानेबाज़ी का अभ्यास करती थीं। पड़ोसी अक्सर उन्हें खेतों के बीच से बंदूक लेकर साइकिल चलाते हुए और टिन के डिब्बों पर निशाना लगाते हुए देखते थे।

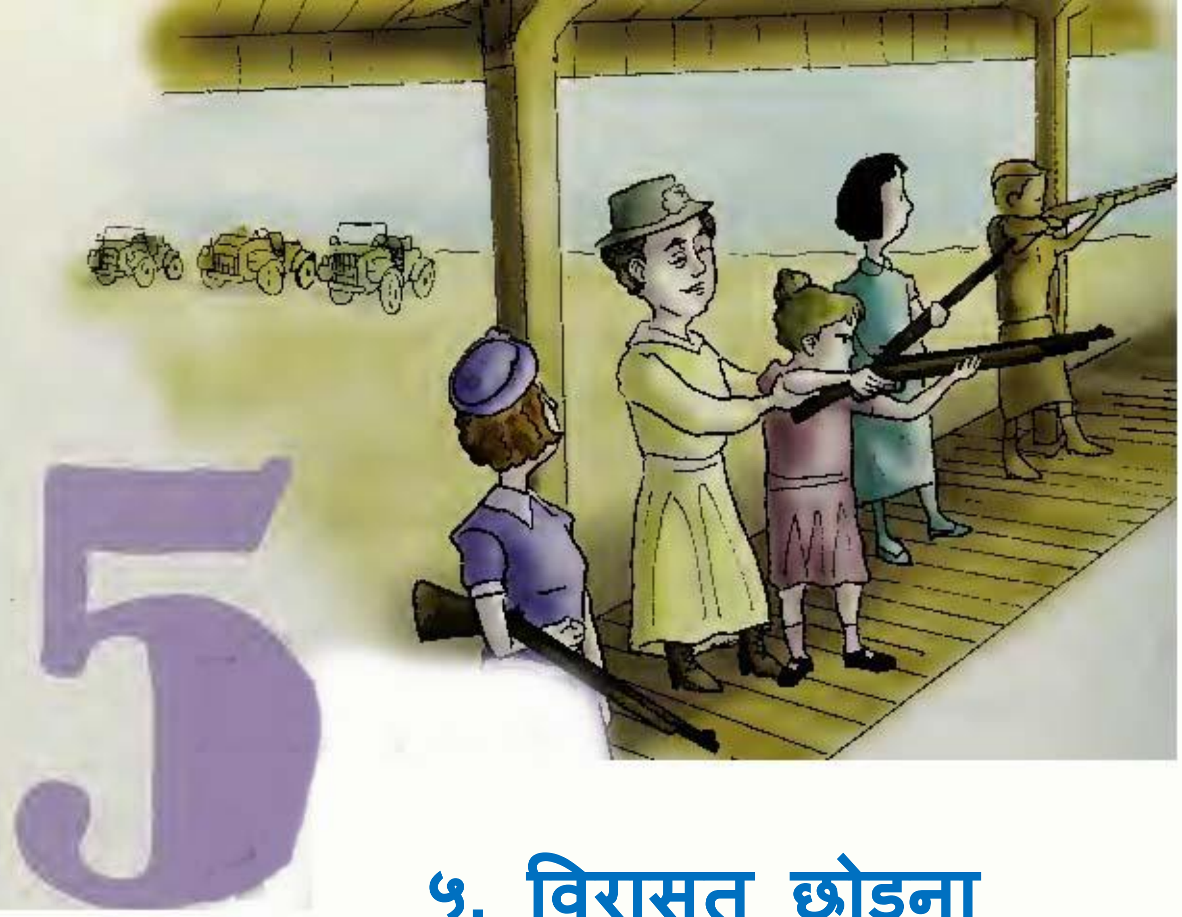


शो के बीच के समय में भी, एनी अपनी निशानेबाज़ी और घुड़सवारी के कौशल को बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत करती थीं। वह नए-नए करतबों का अभ्यास भी करती थीं।

एनी और फ्रैंक अभी भी बफेलो बिल के वाइल्ड वेस्ट शो के साथ यात्रा करके प्रदर्शन करते थे। लेकिन 1901 में एक गंभीर रेल दुर्घटना में एनी घायल हो गईं। इस दुर्घटना से एनी बहुत डर गईं, लेकिन उन्होंने अपना करियर नहीं छोड़ा।

उन्होंने मंच पर अभिनय करने की कोशिश करने का फैसला किया। 1902 में एनी ने द वेस्टर्न गर्ल नामक नाटक में मुख्य भूमिका निभाई। यह नाटक कोलोराडो में रहने वाले एक अग्रणी व्यक्ति की कहानी पर आधारित था।

एनी ने रस्सी का फंदा घुमाकर खलनायक को पकड़ लिया और नायक को मुसीबत से बचा लिया। दर्शकों को उनका अभिनय बहुत पसंद आया।



५. विरासत छोड़ना

एनी और फ्रैंक के लिए जीवन बदल रहा था। ट्रेन से यात्रा करना अभी भी लोकप्रिय था, लेकिन 1903 में ऑरविल और विल्बर राइट ने एक नियंत्रित, इंजन से चलने वाला हवाई जहाज़ उड़ाया। छह साल बाद, 1909 में हेनरी फोर्ड ने अपनी मॉडल टी कार दुनिया के सामने पेश की।

1910 तक, जिस वर्ष एनी पचास वर्ष की हुईं, पाँच करोड़ अमेरिकी लोग कार से यात्रा करते थे।

एनी के बाल सफेद हो गए और वह चश्मा पहनने लगीं। फिर भी वह पहले से कहीं अधिक व्यस्त रहती थीं। वह अभी भी शो करती थीं और उन्होंने महिलाओं को निशानेबाज़ी की शिक्षा देना भी शुरू कर दिया।

एनी ने समझाते हुए कहा, “मैं चाहती हूँ कि हर महिला बंदूक चलाना उतने ही स्वाभाविक रूप से जानती हो, जितने स्वाभाविक रूप से वह बच्चों की देखभाल करना जानती है।”

उन्होंने निशानेबाज़ी के खेल पर लेख लिखे और बंदूक की सुरक्षा पर एक पुस्तिका भी लिखी। एनी के लिए सुरक्षा बहुत महत्वपूर्ण थी।



1909 में ऑरविल राइट ने वर्जीनिया के फोर्ट मायर में एक उड़ान का प्रदर्शन करके भीड़ को रोमांचित कर दिया। हवाई जहाज़ों के शो एनी के शो के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा बन गए।

बहुत कम लोग एनी के व्यक्तित्व के इस दूसरे पहलू के बारे में जानते थे। वह अब भी अपने परिवार को पैसे और उपहार भेजती थीं। कभी-कभी वह अनाथालयों को भी पैसे देती थीं। ऐसा माना जाता है कि उन्होंने लगभग बीस युवा महिलाओं की पढ़ाई का खर्च उठाने में मदद की होगी।

फ्रैंक एनी के इस तरह उपहार और मदद देने के काम का समर्थन करते थे। अपनी किसी चीज़ का त्याग करके दूसरों की मदद करने पर दोनों में से किसी ने कभी कोई शिकायत नहीं की।



एनी (बाईं ओर) और फ्रैंक (दाईं ओर) का एक मशहूर पालतू कुत्ता था, जिसका नाम डेव था (बीच में)। डेव हर जगह उनके साथ जाता था। एनी अपने क्रिसमस कार्डों पर डेव का नाम लिखकर हस्ताक्षर भी करती थीं।

1917 में संयुक्त राज्य अमेरिका प्रथम विश्व युद्ध में शामिल हुआ। एनी ने अमेरिकी सेना के शिविरों में निशानेबाज़ी के शो किए। उन्होंने महिलाओं की एक विशेष टुकड़ी को प्रशिक्षण देने की पेशकश भी की, ताकि यदि अमेरिका पर अपने देश में हमला हो तो वे उसकी रक्षा के लिए तैयार रहें। लेकिन युद्ध सचिव ने एनी के इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया।

डेव का रेड क्रॉस के लिए कार्य

प्रथम विश्व युद्ध के दौरान, एनी और फ्रैंक ने **रेड क्रॉस** के लिए शो किए। रेड क्रॉस एक ऐसा संगठन है जो युद्ध या प्राकृतिक आपदाओं के दौरान लोगों की मदद करता है। एनी और फ्रैंक का **कुत्ता डेव** भी उनके मनोरंजन कार्यक्रमों का हिस्सा बनता था। प्रशंसक पैसों को रूमालों में लपेटकर छिपा देते थे। फिर एनी डेव की आँखों पर पट्टी बाँध देती थीं। डेव इधर-उधर घूमता रहता, जब तक कि वह अपनी सूँघने की क्षमता से छिपे हुए पैसे को ढूँढ़ नहीं लेता। एनी वह पैसा रेड क्रॉस को दे देती थीं।

प्रथम विश्व युद्ध समाप्त हो गया। इसके साथ ही शानदार वाइल्ड वेस्ट शो का दौर भी खत्म हो गया। लोगों का ध्यान एक नए तरह के मनोरंजन की ओर चला गया– यानि चलचित्रों (फिल्मों) की ओर। कुछ चलचित्र, जिन्हें वेस्टर्न फिल्में कहा जाता था, बफैलो बिल के वाइल्ड वेस्ट शो जैसी ही होती थीं। लोगों को बड़े पर्दे पर वेस्टर्न फिल्में देखना बहुत पसंद था।

नवंबर 1922 में एक कार दुर्घटना के बाद एनी के शो बिज़नेस के सपने समाप्त हो गए। इस दुर्घटना में एनी बुरी तरह घायल हो गईं।

अमेरिकी आविष्कारक थॉमस अल्वा एडिसन ने चलचित्रों के विकास में मदद की थी। उन्होंने एनी की एक छोटी फिल्म भी बनाई थी। उनका पहला फिल्म प्रोजेक्टर एडिसन विटास्कोप कहलाता था।



एनी अपने एक्सीडेंट से ठीक हो गई थीं। उन्हें पैर में ब्रेस पहनना पड़ता था, लेकिन वह हमेशा खुशमिजाज़ रहती थीं और कभी कोई शिकायत नहीं करती थीं। एनी ने अपनी ज़िंदगी की कहानी लिखना शुरू किया। फिर भी, उनमें ज़्यादा ऊर्जा नहीं दिख रही थी। एनी को पता था कि वह मरने वाली हैं।3 नवंबर, 1926 को 66 साल की उम्र में एनी का निधन हो गया। फ्रैंक बुरी तरह टूट गए थे। अठारह दिन बाद, उनकी भी मौत हो गई।



एनी और फ्रैंक को ओहियो की डार्क काउंटी में ब्रॉक कब्रिस्तान में अगल-बगल दफनाया गया है।

एनी की मृत्यु के बाद उनकी प्रसिद्धि और भी बढ़ गई। प्रशंसकों ने 1935 में बनी फिल्म एनी ओक्ली देखी और एनी के जीवन पर आधारित संगीत नाटिका ** एनी गेट योर गन ** भी देखी। यह संगीत नाटिका आज भी दुनिया भर के थिएटरों में प्रस्तुत की जाती है।



** एनी गेट योर गन ** संगीत नाटिका 1999 से 2001 के बीच न्यूयॉर्क शहर के ब्रॉडवे पर 1,045 बार प्रस्तुत की गई। कंट्री संगीत की मशहूर गायिका रीबा मैकएंटायर (बाईं ओर) ने 2001 में पाँच महीने तक ब्रॉडवे पर एनी की भूमिका निभाई।

जिन लोगों ने एनी की कहानी के बारे में जाना, उन्होंने उनके बारे में किताबें लिखीं। उन्होंने एनी ओक्ली की शैली से प्रेरित कपड़े भी डिजाइन किए। यहाँ तक कि किसी ने उनके जीवन पर एक टेलीविजन शो भी बनाया।

एनी ने अपना कठिन बचपन पीछे छोड़कर प्रशंसनीय सफलता हासिल की और बहुत-सी महिलाओं और लड़कियों के लिए एक आदर्श बन गईं। उन्होंने दिखाया कि महिलाओं के लिए घुड़सवारी करना, निशानेबाज़ी करना और शिकार करना भी पूरी तरह उचित है।

वह संयुक्त राज्य अमेरिका की पहली महिला खेल सितारों में से एक थीं और आज भी उन्हें वाइल्ड वेस्ट की एक मजबूत और साहसी नायिका के रूप में याद किया जाता है।



समयरेखा

1860 — एनी ओक्ली का जन्म 13 अगस्त को वुडलैंड, ओहायो में हुआ।

1866 — एनी के पिता, जैकब मोसेस, की मृत्यु हो गई।

1870 — एनी डार्क काउंटी इन्फर्मरी चली गईं। उन्होंने उस परिवार के लिए काम करना शुरू किया, जिसे वह "भेड़िए" कहती थीं।

1874 — उन्होंने अपने परिवार के लिए पैसे कमाने के लिए शिकार करना शुरू किया।

1875 — थैंक्सगिविंग डे पर उन्होंने एक निशानेबाजी प्रतियोगिता में फ्रैंक बटलर को हरा दिया।

1876 — 23 अगस्त को उन्होंने फ्रैंक बटलर से शादी कर ली।

1882 — उन्होंने अपना मंच का नाम एनी ओक्ली रखा।

1884 — उन्होंने फ्रैंक की निशानेबाजी की साथी के रूप में सेल्स ब्रदर्स सर्कस के साथ यात्रा की। इसी वर्ष वह सिटिंग बुल से मिलीं।

1885 — वह बफेलो बिल के वाइल्ड वेस्ट शो में शामिल हुईं।

1887 — उन्होंने शो के साथ ग्रेट ब्रिटेन की यात्रा की।

1889 — वाइल्ड वेस्ट शो ने यूरोप का दौरा किया।

1901 — वह एक रेल दुर्घटना में घायल हो गईं। उन्होंने वाइल्ड वेस्ट शो छोड़ दिया और मंच पर अभिनय करने की कोशिश शुरू की।

1902 — उन्होंने ** *द वेस्टर्न गर्ल* ** नामक मंच नाटक में मुख्य भूमिका निभाई।

1915 — उन्होंने महिलाओं को निशानेबाज़ी सिखाना शुरू किया।

1917 — संयुक्त राज्य अमेरिका प्रथम विश्व युद्ध में शामिल हुआ।

1918 — एनी और फ्रैंक ने अपने कुत्ते डेव के साथ अमेरिकी सेना के शिविरों का दौरा किया।

1922 — फ्लोरिडा में एक कार दुर्घटना में एनी घायल हो गईं।

1926 — 3 नवंबर को अपने जन्मस्थान के पास, ओहायो में एनी की मृत्यु हो गई।
21 नवंबर को फ्रैंक की भी मृत्यु हो गई।

एनी का जीवन-मंत्र

अपनी आत्मकथा लिखते समय एनी ने एक कहावत बनाई, जो बताती थी कि वह जीवन को किस तरह देखती थीं। उन्होंने इस कहावत, या जीवन-मंत्र, को छोटे-छोटे कार्डों पर छपवाया।

एनी का जीवन-मंत्र था:

"ऊँचे लक्ष्य पर निशाना लगाओ और तुम उसे जरूर हासिल करोगे। पहली बार नहीं, शायद दूसरी बार भी नहीं और हो सकता है कि तीसरी बार भी नहीं। लेकिन निशाना लगाते रहो और कोशिश करते रहो, क्योंकि केवल अभ्यास ही तुम्हें पूर्ण बना सकता है। आखिरकार, तुम सफलता के निशाने के बिल्कुल बीच में जरूर पहुँचोगे।"

एनी ने इस मंत्र को हर दिन अपने जीवन में अपनाया। उन्होंने हमेशा पूरी मेहनत की और कभी हार नहीं मानी।



अपने पूरे जीवन में एनी ने कड़ी मेहनत की। उनका दृढ़ निश्चय बहुत से लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना।